Dainik Bhaskar (Indore), 17th February 2020, Page-6

कैंपस के 10 साल पूरे • 11वें स्थापना दिवस पर इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. राधाकृष्णन करेंगे दो नए होस्टल का शुभारंभ

इंदौर आईआईटी में छात्रों से ज्यादा होस्टल के कमरे, हर छात्र को स्वतंत्र कमरे के साथ किचन और लिविंग रूम की सुविधा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर, सोमवार को अपनी स्थापना के दस साल पूरे कर रहा है। दस सालों बाद अब संस्थान में पढ़ने वाले हर स्टूडेंट को होस्टल की सुविधा मिल सकेगी। पहले जहां होस्टल के अभाव में छात्र बाहर रहने को मजबूर थे वहीं अब स्थिति यह हो गई है कि आईआईटी में पढ़ने वाले छात्रों से ज्यादा होस्टल के कमरे हो गए हैं। संस्थान में छात्रों की संख्या 1850 है, जबकि कमरों की संख्या 1960 है। 11वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के. राधाकृष्णन दो नए होस्टल विक्रम साराभाई हॉल ऑफ रेसीडेंट और देवी अहिल्या हॉल ऑफ रेसीडेंसी का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ संस्थान में कुल पांच होस्टल हो जाएंगे।

हर बिल्डिंग में 98 फ्लैट, हर फ्लैट में 5 कमरे हैं, फ्रिज, इंडक्शन की सुविधा भी

पांचों होस्टल में छात्रों को एक निजी कमरे के साथ ही किचन, लिविंग रूम और कॉमन एरिया की सुविधा मिलेगी। होस्टल बिल्डिंग में फ्लैट सिस्टम है। एक बिल्डिंग में 98 फ्लैट्स हैं। हर फ्लैट में पांच कमरे हैं। हर कमरे में एक छात्र रहेगा। कॉमन फैसिलेटी में फ्रिज, बिजली से चलने वाली केतली सहित इंडक्शन की सुविधा रहेगी। लिविंग रूम में सोफा सेट भी रहेगा। हर छात्र के कमरे में पलंग, अलमारी, टेबल-कुर्सी सहित दूसरी जरूरी चीज भी संस्थान उपलब्ध करवा रहा है।

मैरी क्यूरी की जगह देवी अहिल्या के नाम होस्टल

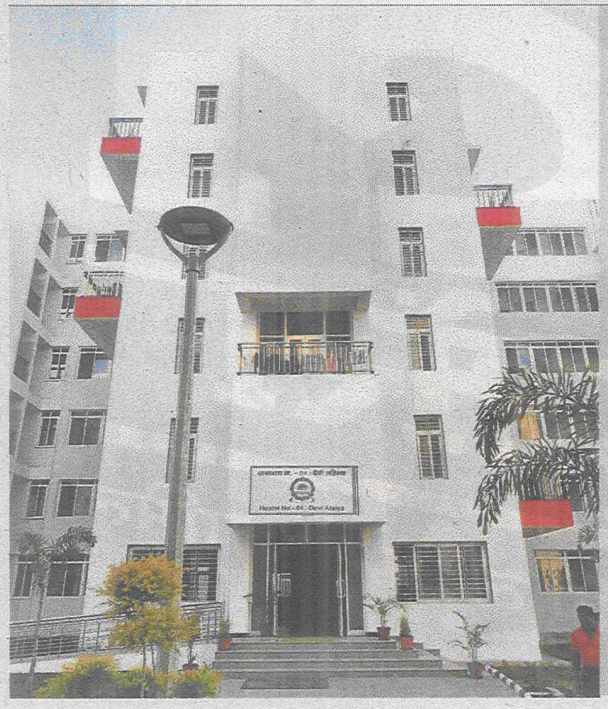

आईआईटी में बने सभी पांच होस्टल को नामी हस्तियों का नाम दिया गया है। विक्रम साराभाई और देवी अहिल्या हॉल ऑफ रेसीडेंसी जहां नवनिर्मित होस्टल हैं। वहीं सीवी रमन, होमी जहांगीर भाभा और एपीजे हॉल ऑफ रेसीडेंसी पहले से तैयार हैं। निर्माण के दौरान देवी अहिल्या हॉल ऑफ रेसीडेंसी का नाम मैरी क्यूरी हॉल ऑफ रेसीडेंसी रखा गया था। चूंकि इंदौर देवी अहिल्या की नगरी है, इसलिए होस्टल का नाम बदलकर देवी अहिल्या हॉल ऑफ रेसीडेंस किया गया है।

हर छात्र के लिए होस्टल में रहना अनिवार्य

आईआईटी प्रबंधन के मुताबिक वर्तमान में 15 सौ छात्र-छात्राएं होस्टल की सुविधा ले रहे हैं। जो छात्र बाहर रह रहे हैं उन्हें ई-मेल के जरिए होस्टल में आने की सूचना दी गई है। मार्च तक सभी छात्रों को होस्टल लेना अनिवार्य होगा। आईआईटी के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर कमांडर सुनील कुमार के मुताबिक अगले महीने तक करीब 200 और छात्र होस्टल में रहने आएंगे। पीएचडी के कई छात्रों ने होस्टल में रहने में असमर्थता जताई है, क्योंकि वे परिवार के साथ रहते हैं। अतिरिक्त कमरों में गेस्ट हाउस तैयार करवाए जाएंगे। दूसरे राज्यों से आने वाले छात्रों के परिजनों को भी हम सशुल्क रहने की सुविधा देंगे। कुछ कमरों का उपयोग इसके लिए किया जाएगा। जो छात्र होस्टल में रहने से मना करेंगे उन्हें लिखित में कारण देना पड़ेगा।